संख्या-12/1764/53-14-2(16)/14

प्रेषक,

एस0 राजलिंगम,
विशेष सचिव,
उ0प्र0 शासन।

सेवा में,

दुग्धशाला विकास अधिकारी/उप दुग्धशाला विकास अधिकारी/आहरण वितरण अधिकारी, दुग्धशाला विकास विभाग, उ0प्र0।
मैनपुरी, आगरा, झांसी, जालौन (उरई), हमीरपुर, महोबा, बांदा, लखनऊ, लखीमपुरखीरी, बरेली, पीलीभीत, शाहजंहापुर, मेरठ, रामपुर, वाराणसी, मिर्जापुर, सोनभद्र, गोरखपुर, महराजगंज, देवरिया, बस्ती, सिद्धार्थनगर, आजमगढ़, मऊ, इलाहाबाद, प्रतापगढ़, कानपुर, फैजाबाद, अम्बेडकरनगर, गोण्डा एवं बहराईच।

दुग्ध विकास अनुभाग लखनऊः दिनांक- 03 सितम्बर, 2014

विषय-वित्तीय वर्ष 2014-15 में कृषकों का प्रशिक्षण कार्यक्रम योजना हेतु वित्तीय स्वीकृति (जिला योजना-सामान्य) अनुदान संख्या-16

महोदय,

उपर्युक्त विषयक दुग्ध आयुक्त, दुग्धशाला विकास विभाग के पत्रांक-289/दुग्ध-8/नियो0/कृ0-प्रशिक्षण-सा0(155)-2014-15, दिनांक-26.08.2014 के सन्दर्भ में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि चालू वित्तीय वर्ष 2014-15 में दुग्ध विकास के अन्तर्गत आच्छादित संस्थाओं के माध्यम से कृषकों को प्रशिक्षण दिये जाने हेतु शासनादेश संख्या-894/53-14-2(16)/14, दिनांक-05.05.14 द्वारा रू0 33.33 लाख (रू0 तैंतिस लाख तैंतिस हजार मात्र) की धनराशि लेखानुदान के माध्यम से प्रथम 04 माह (अप्रैल 2014 से जुलाई 2014 तक) के लिये स्वीकृत की गयी थी। श्री राज्यपाल महोदय कृषकों का प्रशिक्षण कार्यक्रम योजनान्तर्गत वित्तीय वर्ष 2014-15 के लिए सन्दर्भित योजना में प्राविधानित धनराशि रू0 100.00 लाख (रू0 एक करोड़ मात्र) में से अवशेष रू0 66.67 लाख के सापेक्ष 50 प्रतिशत की सीमा में रू0 16.665 लाख (सोलह लाख छयाछठ हजार पांच सौ मात्र) की धनराशि व्यय हेतु **संलग्नक-क** के अनुसार निम्नलिखित शर्तो के अधीन सम्बन्धित दुग्धशाला विकास अधिकारी/उप दुग्धशाला विकास अधिकारी/आहरण वितरण अधिकारी के निर्वतन पर रखे जाने की सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं:-

(1) जिन मदों में व्यय के पूर्व वित्तीय हस्त-पुस्तिका अधीन शासन/सक्षम अधिकारी की पूर्व स्वीकृति/सहमति आवश्यक है उनमें धनराशि व्यय करने के पूर्व अनिवार्य रूप से शासन/सक्षम अधिकारी की पूर्व स्वीकृति/अनुमोदन प्राप्त कर लिया जाए। प्रश्नगत धनराशि का जिलों को आवंटन उनकी मांग के औचित्य का परीक्षण करते हुए किया

http://shasanadesh.up.nic.in

जायेगा। स्वीकृत की जा रही धनराशि का व्यय उसी मद में किया जायेगा जिस हेतु अनुमन्य है।

(2) उक्त धनराशि जिला सेक्टर हेतु आबंटित परिव्यय में समायोजित होगी। अवमुक्त धनराशि से किसी भी दशा में अधिक व्यय न किया जाय तथा समस्त व्यय सम्बन्धित शासनादेश/संगत नियमों में उल्लखित शर्तो व प्रतिबन्धों के अधीन किया जायेगा। व्यय में किसी भी प्रकार की अनियमितता के लिए सम्बन्धित आहरण वितरण अधिकारी व्यक्तिगत रूप से जिम्मेदार होगें। किसी भी प्रकार की विचलन की स्थिति में भी वे स्वयं ही जिम्मेदार होगें।

(3) उक्त स्वीकृत धनराशि में से अनुरक्षण मद में कोई धनराशि व्यय नहीं की जायेगी। यदि किसी अनुरक्षण मद पर कोई व्यय आवश्यक हो तो दुग्ध संघ/समितियां अपने संसाधन से उसका वहन करेगा। प्रशासनिक विभाग वित्त विभाग द्वारा निर्गत संगत शासनादेशों/नियमों/आदेशों के अनुसार यथानियम कार्यवाही करेंगे।

(4) धनराशि का आहरण करने तथा निर्धारित प्रयोजन पर उपयोग सुनिश्चित कराकर उपयोगिता प्रमाण पत्र दुग्ध आयुक्त यथासमय उपलब्ध कराने का दायित्व सम्बन्धित प्रबंधक/सामान्य प्रबन्धक दुग्ध संघ एवं उप दुग्धशाला विकास अधिकारी का होगा। यह भी शर्त है एतदद्वारा स्वीकृत धनराशि का आहरण तथा उसका उपयोग के सम्बन्ध में आहरण अधिकारी के लेखे तथा बही खाते एवं सम्बन्धित दुग्ध संघों के लेखों व बही खाते भारत के नियन्त्रक एवं महालेखापरीक्षक तथा उनके द्वारा प्राधिकृत अधिकारियों के अवलोकनार्थ/परीक्षणार्थ उपलब्ध रहेंगे।

(5) प्रश्नगत धनराशि का व्यय इसी वित्तीय वर्ष में कर लिया जायेगा और धनराशि किसी भी दशा में किसी भी स्तर पर बैंक खाते इत्यादि में नहीं रखी जायेगी, जिस धनराशि का उपयोग सम्भावित नहीं है उसे इसी वित्तीय वर्ष में समर्पित कर दिया जायेगा।

2- उर्पयुक्त स्वीकृति के फलस्वरूप होने वाला व्यय चालू वित्तीय वर्ष 2014-15 के आय-व्ययक के अनुदान संख्या-16 के अधीन लेखा शीर्षक-**'2404-डेरी विकास-आयोजनागत-102-डेरी विकास परियोजनायें-03-दुग्ध विकास कार्यक्रम-0306 कृषकों का प्रशिक्षण कार्यक्रम-44-प्रशिक्षण हेतु यात्रा एवं अन्य प्रासंगिक व्यय''** के नामे डाला जायेगा।

3- यह आदेश वित्त विभाग के पत्र संख्या- बी-1-2457/दस-2014-231/2014, दिनांक-22 जुलाई, 2014 के द्वारा प्रतिनिधानित अधिकार के अन्तर्गत निर्गत किये जा रहे है।

भवदीय,

(एस0 राजलिंगम)
विशेष सचिव।

http://shasanadesh.up.nic.in

संख्या-1764(1)/53-2014, तददिनांक।

प्रतिलिपि- निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित:-

1- प्रधान महालेखाकार (लेखा एवं हकदारी) उ0प्र0, इलाहाबाद।

2- महालेखाकार (लेखा प्रथम/आडिट प्रथम) उ0प्र0, इलाहाबाद।

3- वरिष्ठ आडिट आफिसर (आडिट प्लानिंग) कार्यालय महालेखाकार, लेखा परीक्षा (प्रथम), सत्यनिष्ठा भवन, 15 थार्नहिल रोड, इलाहाबाद।

4- दुग्ध आयुक्त, दुग्धशाला विकास विभाग, उत्तर प्रदेश।

5- प्रबन्ध निदेशक, पी0सी0डी0एफ0लि0, 29-पार्करोड, लखनऊ।

6- सम्बन्धित वरिष्ठ कोषाधिकारी/कोषाधिकारी उ0प्र0।

7- वित्त नियन्त्रक, दुग्धशाला विकास, उ0प्र0 लखनऊ।

8- सम्बन्धित जिलाधिकारी।

9- वित्त (व्यय नियन्त्रण) अनुभाग-2/नियोजन अनुभाग-3/राज्य योजना आयोग-3

10- सम्बन्धित अर्थ एवं संख्याधिकारी उ0प्र0।

11- सम्बन्धित मुख्य विकास अधिकारी उ0प्र0।

12- सम्बन्धित मण्डलायुक्त, उत्तर प्रदेश।

13- मण्डलीय उप निदेशक, अर्थ एवं संख्या प्रभार, उत्तर प्रदेश।

14- गार्ड फाइल।

15- वेब मास्टर, दुग्धशाला विकास विभाग, जवाहर भवन, लखनऊ को इस आशय से प्रेषित कि इसे विभागीय वेबसाइट पर प्रदर्शित करें।

आज्ञा से,

(कृष्ण कान्त शुक्ल)
उप सचिव।

http://shasanadesh.up.nic.in